

9

Environmental

Studies

(E.V.S.) - (C Tet)

"Hindi medium"

10- लंगो- हू- फैन → हांकांग का एक पक्वान (सांप के मांस से बनता है)

11- टैपिकोआ → केरल में जमीन के नीचे उगाया जाने वाला फल/सब्जी है।

12- लुई बेल → बेल सिबि के आविष्कारकर्ता (फ्रांस)
→ बेल सिबि 6 बिंदुओं पर आधारित

13- धरो की संरचना → असम में बांस के खंभों पर टिके हुए (10-12 फुट)

→ मनाली (H.P.) - पत्थर/लकड़ी के बने घर होते हैं।

→ राजस्थान में - मोटी दीवार (मिट्टी) व दृढ़ कटीली झाड़ियों से बनते हैं।

14- J & K में चाय को 'कहवा' कहा जाता है। (बादायन और मंत्रथ) व इलाहाबाद

15- वल्लभ - एक प्रकार की छोटी नाव (लकड़ी की) / केरल में चलती है।

16- सबसे बड़ी हाथिनी, झुगु (Mabry) की मुखिया होती है।

17- हाथी - एक दिन में 100 kg तक पानी/झड़ी खा लेता है।
→ कीचड़ उन्हें ठंडा रखता है।
→ जान पंछे का काम करते हैं।

- एक दिन में 2-4 बड़े सोता है।
→ (12-14 हाथिनियाँ) झुगु

- झुगु में केवल हाथिनियाँ व उनके बच्चे होते हैं Male नहीं।
वे 14-15 वर्ष के बाद अलग हो जाते हैं।

18- 'खेजड़ी का पेड़' → खेजडली गांव (राजस्थान) → विशनोई लोग

- 300 साल पहले की बात है → यहां शिका व पेड़ काटने पर प्रतिबंध।

→ खेजड़ी का पेड़, रेगिस्तान में कम पानी में उगता है।

→ इसकी छाल से कपड़ियां बनती हैं / लकड़ी में कीड़ा नहीं

→ पेड़ की कलियों की सब्जी भी बनती है।

9. चींटियों की दुनिया :- सभी चींटियों का काम बंटा होता है।

- रानी चींटियाँ - अंडे देती हैं।
- सिपाही " - बिल का हयाब रखती हैं।
- मजदूर " - भोजन ढूँढकर लाने का काम करती हैं।

(दीमक, मधुमक्खी व तर्तैया भी इसी तरह कार्य करते हैं)

10. मधुमक्खियाँ → हर मधुमक्खी के अंडे देने का समय - Oct - December
 अतः, मधुमक्खी पालन का उपयुक्त समय है।
 अधिकतर, मक्खी, working होती हैं।

11. मडगांव (कोजीकोड) से कैरल (रेलमार्ग) → 92 सुरंगें और 2000 पुल हैं।

12. मलयालम भाषा - वलियम्मा - मां की बड़ी बहन
 - अम्मूमा - नानी को कहते हैं।
 - चिदम्पन - चाचा / कुजम्मा - चाची

13. गांधी हाम (कच्छ) - अहमदाबाद
वज्रसा → द.ज.
कोजीकोड → केरल
 जाना - दोकला, चटनी, lemon चावल, मिठाई
 दक्षिण भारत का एक शहर, मांगलातूर तट पर, कोदरायगुडी निकट

14. कर्णजम मल्लेश्वरी :- वेट लिफ्टर (आंच्र प्रेश से) [Telangana]
 → (father - police constable हैं) → जब 12 वर्ष की थी, तब strong किया।
 → 130 kg. weight
 → इनकी 4 सिस्टर्स भी weight lifting करती हैं।
 → भारत के बाहर - 29 मंडल जीत चुकी।

15. फूल - फूलों की घाटी - उन्नाव
 केचनार के फूल (U.P.)
 केले के फूल (केरल)
 सहजरा " " (M.H.) } सही बनायी जाती है।

- गुलदावरी / जीनिया के फूलों से लपेटे रंगने का रंग बनता है।
 (Marigold) Zinnia

- पेंटिंग में, मानव, जानवर, पेड़, पानी, मछली, फूल आदि (2) दिखाये जाते हैं।

मछुबनी (पेंटिंग) - मछुबनी जिला बिहार

- घर की दीवारों पर चित्रकारी
- चावल के आटे से चित्रकारी (चटक रंग) - में रंग मिलाकर
- फूलों व पत्तियों से रंग प्राप्त, हल्दी आदि

(18) - U.P. (कन्नौज) - इत्र के लिए मशहूर

(19) - मिर्ची में गोबर मिलाकर जमीन में लीपने से - कीड़े नहीं लगते।

(20) - नीम व कीकर की लकड़ी पर दीपक नहीं लगता।

(21) -	गालीखान - Pakistan	नल्लामडा - (A.P.)
	साहना गांव - Haryana	बाजार गांव - (M.H.)
	वैभविका गांव - Karnataka	कफपरेड - (M.H.)
	<u>हिलागुडी</u>	मुखापुर - A.P. - चौचमपल्ली जिला

(बच्चों की पंचायत - भीमा सिंह)

(22) - गीजू भाई बहोका - लेखक (गुजरात)

→ बच्चों के स्तर की मजेदार कहानी व पत्र लिखते हैं।

→ केवल अंडों को रखने हेतु प्रयोग करते हैं।

(23) - पक्षी :- कलचिड़ी (Indian Robin) - पत्थरों के बीच घोंसला (घास से)
(अपने टहनियां, जाड़े, अण, बाल, रुई, बिछा होता है)।

कौवा :- घोंसले में लोहे के तार, लकड़ी की शाखा।
कोयल, कौवे के घोंसले में अंडे देता है।

फारखा :- कैक्टस के कांटों के बीच/मैदानी की मंड में घोंसला बनाती है।

गौरैया :- कहीं भी (अमामी, दल, आइने के पीछे) कबूतर भी।

बसंत गौरी :- पेड़ के तने में देह बनाकर, अंडे रखती है।

दर्जिन चिड़िया :- पत्तों को लीकर, अंडे देने हेतु पत्र लौंया करती है।

शबकर खोरा :- फें/झड़ी पर लटकता घोंसला (बाल, रुई, दान, कपड़े आदि से लौंया)

वीवर पक्षी :- नर वीवर, अपने हाँसने बनाते हैं।
मादा नर, अबू देने हेतु, सही हाँसने का चुनाव करती हैं।

बिल्ली :-

(23) - गाय :- आगे के दाँत झट्टे (बुकीले) - काटने के लिए
पीछे के दाँत चपट्टे - चबाने के लिए
बिल्ली/कुत्ता - बुकीले दाँत, मांस काटने के काम

साँप :- के दाँत बुकीले / परंतु चबाता नहीं है / निगलता है।

गिलहरी :- के दाँत लगातार बढ़ते रहते हैं।

(24) - A.P. का पांचमपल्ली जिला (मुख्यपुर गाँव)

- जिले में अधिकतर बुनकर परिवार रहते हैं / - बिलौने व इत्र भी

- बुनई का ही "पांचमपल्ली" बोल जाता है।

→ कुण्ड - गोल → मधुबनी पेंटिंग → असम - रेशम → कश्मीरी - कढ़ाई

(25) - चीली :- सूँघकर एक दूसरे के पीछे चलती हैं।

✓ मच्छर - पैरों की गंध व शरीर की गर्मी से उन्हें डूँढते हैं।

✓ साँप - बाटरी काब नहीं होते / जमीनी कंपन से धुँ मसूस करते हैं।

रेशम का कीड़ा - कई km. दूर से भी, गंध से female कीड़ा को ढूँढ लेता है।

बाघ :- अंधेरे में सबसे 6 गुना अधिक देख सकता है।
(Tiger) -

- हवा के कंपन से सूँघों द्वारा भांपना।

- घुराना 3 km. तक सुना जा सकता है।

- सुगंध भी वे पत्तियों के फड़फड़ाने व जानवर के चलने की आवाज में अलंकार लेते हैं।

→ जानवर (हर चीज को सफेद व काले रंग में देखते हैं।)

→ हलाय → शायद जैसा जीव / पेड़ पर उल्टा लटकता होता है (नकल)
- उल्टी पेड़ के पत्ते खा लेते हैं।

- पत्तियाँ खत्म हो जाने पर दूसरे पेड़ पर

- 40 वर्ष के जीवन में - 8 पेड़ों पर घूम पाते हैं (5 साल - 1 पेड़)

- हफ्ते में एक बार, जमीन पर आता है। (बहुत आलसी होता है)।

UK (Wainital) - जिम कार्नेट] National park, शिवाय काना मना
Raj (Bharatpur) - बाजा

(२१) - सपेरा की एक जाति → "कालबेलिया"

(२४) - नाग गुफन - रंगोली (सौराष्ट्र, गुजरात व द. भारत में प्रयोग की जाती है)

(२९) - भारत में पाये जाने वाले सभी साँपों में ५ प्रकार की जहरीले होते हैं -
① → नाग ② → करैत ③ → दुबोइया ④ → अफाई
→ साँप के २ दाँत, इन्हीं के द्वारा जहल शरीर में जाता है।
- साँप के जहर के असर को कम करने हेतु, "सीरम" दवा दी जाती है, जो, साँप के जहर से ही बनती है।

(३०) - नीपेन्थिस पौधा → ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, भारत के मेघालय (पिचर Plant) (घड़ा पौधा) में।
- special smell, जो insects को attract करती है - कीड़े, भ्रूण व छोटे जीवों का शिकार।
- Clever Plant - जेबक, घूँटें आ

(३१) - वैल्क्रो → स्विट्जरलैंड के जॉर्ज मेस्ट्रल द्वारा निर्मित। (१९४८ में)
(कपड़ों, जूतों, बैग आदि में प्रयोग किया जाता है)।
→ बीजों पर बने हुक (Hooks) को कपड़ों पर लगाने के कारण निकाला

(३२) श्रीमिर्ची - पुर्तगाल के व्यापारी, द. अमेरिका से भारत लाये।
(लमाटर, आलू, भी)

→ कौकी, मिर्छी - अफ्रीका से
→ बन्नामोची/भटूर - यूरोप से
→ स्लोयवीन - चीन से आयी

(३३) - अल लिसनी - उज्बेकिस्तान से भारत आया था। (१९९३ को १९८० वर्ष)
(यात्री १९८० वर्ष पूर्व)

(३४) - 'बड़सीसर गमाल' - जैसलमेर के राजा 'बड़सी' ने बनवाया था।

34 - मृत सागर :- दुनिया का सबसे जगदीन सागर ।
एक लीटर में (300 gm. नमक)

→ आर्थात्मिक Density के कारण, उसमें डूबते नहीं हैं।

35 - सिजोना - पेड़की दान से मलेरिया की दवाई बनायी जाती है।

अनीमिया - हिमोग्लोबिन / आयन की कमी से होता है।

उपाय - गुड़, आंवला, हरी पत्तेवाती सब्जी।

शेनालो रोस - भारतीय मूल के

- बताया कि मलेरिया मच्छर से फैलता है।

36 - मिजोरम - 'मिजो' भाषा

37 - रैप्लिंग - पहाड़ से उतरना

38 - हिमालय (माउंट एवरेस्ट) पर चढ़ने वाली पहली महिला -

"बेदेव्री पाल" - संसार की 5th महिला।

- गढ़वाल के जाकुपी गांव की रहने वाली हैं।

- 23 मई 1984 के दिन 1 बजकर 7 मिनट पर चढ़ी थी। (कैचर्स - 8900 NCERT).

- माउंट एवरेस्ट का नेपाली में नाम - "सागरमथा"

39 - गोलकोंडा का किला - 1518 से 1687 तक / कुतुबशाही सुल्तानों ने शान किया।

40 - नील आर्मस्ट्रांग - चांद पर पहुँचने वाले पहले व्यक्ति (1969)

41 - मुंबई - दिल्ली - 1400 km की दूरी।

④ - कैलाश-लेह मै - पल्ली/मिचली मंजिल पर खिड़ी नहीं होती है।
- दंत बनाने के लिए पेड़ों के मोटे तने इस्तेमाल किए जाते हैं।

⑤ - पशमीना शॉल - 6 स्टेयर्स के बराबर गर्मी होती है।
- एक पहाड़ी बकरी की खाल नस्ल के बालों से बनती है।
जो लगभग 5000 mt. की ऊँचाई तक रह सकती है।
- एक शॉल बनाने में 250 घंटे लगते हैं।
इसीलिए बहुत महंगे
- बकरी का 8 बाल / घंटे 1 बाल के बराबर।

⑥ - जमीन उपजाऊ : जड़ों से, पत्तों से, शाखा सड़ने से / केंचुओं से
- केंचुए जमीन में देव बनाते रहते हैं, जिससे जमीन
चोली हो जाती है।

⑦ - सूय खेती : बाली बोझा

⑧ - "चराओ" मृत्यु, मिजोरम में होता है, / फलतः कटने पर

⑨ - ग्रेगर जॉन मेडल : ऑस्ट्रिया / जन्म - 1882
मटर के पौधों में अनुवांशिकता की खोज (जोसी में)

स्कूल जाने हेतु जंगल-2 राज्यों में प्रयोग किए जाने वाले माध्यम

- ① - बांस/से रस्सी बना पुल - असम में (अत्यधिक बारिश के कारण).
- ② - ट्रॉली - लद्दाख में (चौड़ी बाढ़ी व गहरी नदी/छाई को पार करने हेतु)
- ③ - सीमेंट का पुल - सामान्य मैदानी क्षेत्रों में / पहाड़ों में.
- ④ - वल्लभ - कैरल (लकड़ी की बनी छोटी नाव).
- ⑤ - ऊँट-गाड़ी - राजस्थान
- ⑥ - बैलगाड़ी - मैदानी क्षेत्रों में
- ⑦ - साइकिल - दूर दराज के स्कूल वाले क्षेत्र
- ⑧ - बर्फ पर चलक - हिमाल की पहाड़ियाँ (हाथ पकड़कर)
- ⑨ - जंगलों के रास्ते -
- ⑩ - ऊबड़ खाबड़ पथरीले रास्ते - उत्तराखण्ड

⇒ एक पक्षी की आंखें, उसके सिर पर होती हैं, और उसके कान, पंखों के नीचे छुपे होते हैं, जिनसे वह सुनता है.
 → किजार्ड (हिपकनी) की भी यही विशेषताएँ हैं.
 → मगरमच्छ की भी आंखें ऐसी ही होती हैं, क्षिपी हुयी.

* जानवर :-

- शरीर पर बने पैटर्न, बालों के कारण होते हैं।
बिना बालों के कोई भी पैटर्न नहीं होता है। (Lath-16)
- जिन जानवरों के कान व बाल शरीर पर हों - जन्म देते हैं।
जिन जानवरों के कान बाहर दिखते नहीं, - अण्डे देते हैं।

* भाषाएँ

- मलयालम - केरल ,
- कोंकणी - कर्नाटक, M.H., गोवा, केरल के कुछ भाग ,
- मराठी - M.H., गोवा, दमन व दीव, दादरा & नागहवेली
- गुजराती - गुजरात
- कन्नड़ - कर्नाटक, A.P., T.N., M.H.

* ट्रेन टिकट :- ट्रेन का नंबर

- यात्रा शुरू होने की डेट व समय
- बर्थ व कोच नंबर
- Cost (किराया)
- Distance कितना है।

पेड़ →

→ बरगद :- लकड़े हुए branches, actually, उसकी जड़ें हौली हैं।

→ डेजर्ट ओक :- Australia में मिलता है।

जड़ें बहुत गहरी जाती हैं; Ground water को सोखने के लिए,
जिस पानी को वने में उत्तर करता है।

→ "बीहू" त्यौहार → असम में मनाया जाता है। नयी चावल की फसल
के आने पर मनाते हैं।

→ 14-15th जनवरी को मनाया जाता है। या माघ के
1-2nd & तीर्थक्षौ की।

→ बांस के द्वारा भेला घर बनाया जाता है, इस festival के
occasion पर।

→ आबू धाबी :- UAE (यूनाइटेड अरब इमीरात) → दिरहम (currency)

→ केरल के फल के पेड़ :- नारियल (Coconut), बेटलनट (Betelnut),
- पपीता, केला, जकफ्रूट (Jackfruit)

→ हैगिस्तान में उगने वाला एकमात्र पेड़ → 'Date Palms' - (खजूर)

→ केरल के मसाले → लेजपत्ता, काली मिर्च, ~~काजी~~ इलाइची।

→ गरम मसाला → इलाइची + काली मिर्च + लौंग + दालचीनी +
अदरक + जीरा

* लैफ्टिनेंट कमांडर वही वा पिज्ज →

- भारतीय नौसेना में डॉक्टर हैं।
- सबसे पहली महिला जिन्होंने परेड की अध्यक्षता की (leading)
- जम्मू व कश्मीर → रजौरी जिला → यन्नामण्डी क्षेत्र से हैं
- एक परेड में कुल 36 कमांडर्स होती हैं।

* लद्दाख में - तिब्बती भाषा को मोटी भी बोला जाता है।

Mother - amq-le
Father - vaba-le

* कुत्ते → उनका एक निश्चित क्षेत्र होता है।

- इससे कुत्ते की पेशाब व मल की गंध से, ~~हमें~~ उनके अपने क्षेत्र में प्रवेश को पहचान लेता है

* पक्षी :-

- अधिकतर पक्षियों की 2 जो आंखें उनके सर के दोनों बंदों होती हैं।

- अतः वे एक ही समय में 2 अलग-2 चीजों पर focus कर सकते हैं।

- जब सीधे/सागरे देखती हैं तो एक object पर focus करती हैं।

- अधिकतर पक्षियों की आंखें fixed/stable होती हैं; अतः उन्हें देखने हेतु, सर घुमाना पड़ता है।

- कुछ पक्षी जैसे - चगगाड़, बाज, चील, गिद्ध मानव से चार गुना अधिक दूरी तक देख सकते हैं।

पक्षी 8 mtrs. → मानव - 2 mtrs.

(4 गुना अधिक देखें)

reading

- जानवर, हजारी तरह बहुत सारे रंगों को नहीं देख सकते।
- दिन में जगने वाले जीव कुछ रंगों को ही देख सकते हैं।
- रात में जगने वाले जानवर - केवल Black & White में (इन्फ्रारेड)

- एक पक्षी द्वारा दोनों आंखें एक ही object पर focus करने पर Distance का अनुमान लगा सकते हैं।
- अगर इसकी आंखों का focus को अलग-अलग चीजों पर है, तो उनका Range of vision बड़ा होता है।

* About sleep - (सोना)

- दिपकनी - पूरे एक सप्ताह तक (Deep sleep) -
- गाय - 4 घंटे
- पायथन (अजगर) - 18 घंटे
- जिराफ - 2 घंटे
- बिल्ली - 12 घंटे
- हाथी - 2-4 घंटे

* Danger to animals →

- Tiger अत्यधिक alert जानवर है, फिर भी, खतरे में है।
- हाथी → दाँत के लिए
- ताइगर, मगरमच्छ, साँप को उनकी skin / चमड़ी के लिए
- गेंडा → सींग के लिए
- कस्तूरी मृग → इत्र (Scent) के लिए

[Kishan Sagar national park
Dhanu, Bharatpur, Rajasthan] → कोई शिकार नहीं कर सकते।
→ जंगल को हानि नहीं पहुँचाने सकते।

* साँप

- सपेरा को → कालबेरिया भी कहते हैं (snake charmers)
- नाग गुंफन → डिजाइन, पैरिंग जो नागों की shop व skin (सौराष्ट्र/rajasth / south india में) लेते हैं, जिसमें ~~आँखें~~ रंगोली व कढ़ाई व अन्य सजावट की जाती है।
- सपेरा, साँप को उसके डंक से पहचान लेता है।
- सपेरे जंगलों में पाये जाने वाले कई पेड़ों/पौधों से दवाइयाँ बनाते हैं।
- साँप, खेतों के घूँघों को खाने की वजह से, किसानों के लिए मददगार / लाभकर लेते हैं।

* Food & Digesting :-

- आमाशय का तापमान 30°C
- Acids in stomach - जिसे खाना पचता है।
- इंडीसा के कामाहांडी में सबसे अधिक चावल उत्पादन, other states में भी।
- काँच के जार सुखाना, ताकि moisture न बचे, अच्छा बरतव है।
- milk (दूध) → Bowl में रखकर उसे एक पानी के अरे container में रख दें।
- बने चावल → गीले कपड़े में बाँधकर
- हरा धनिया → उबालकर ~~खाना~~
- व्याप / बहसुन → dry / open place

(5)

बीज →

- बीज बहुत बड़े यात्री होते हैं।
- Tiny Hooks के द्वारा, Travel करते हैं / by water also.

* Every drop counts →

- GHADISAR एक जगह है, Jaisalmer में।
↳ 'झील'
- यहाँ 9 झीलें थीं, जो interconnected थीं,
- जलसंग्रह के वर्ष में 1 बार या एक बार भी वर्षा नहीं होती।
- कुँए, सूखते क्यों जा रहे हैं?
① - मोटर द्वारा, अत्यधिक प्रयोग
② - ऐसी झीलें जिन्हें वर्षाजल संग्रहण होता था वे खत्म हो गये हैं
③ - Trees के अलावा हमने Cement/Concrete की लकीर बना दी है।
- जब Jodhpur में, 1986 में वर्षा नहीं हुई →
बावली (Bawli) - सीढ़ीदार कुँडों

* दांडी यात्रा - गांधी जी - (1930) -

कारण ① आम लोगों को जल नहीं लगाने देना अधिक Tax लगाना जल पर
यात्रा → अहमदाबाद से दांडी (सागर के किनारे) [आंदोलन था जल का गुण के खिलाफ]

* मच्छरों से मुकाबला :-

→ मलेरिया - बुखार, ठण्ड के साथ कंपन।

→ दवाई → शैवाल द्वी की शखा से बनता है।

→ आयरन मिलता है → गुड़, आंवला और हरी सब्जी।

→ मच्छियाँ → पेट (आम्रशय) संबंधी बीमारियों के कारक होते हैं।

→ अल्गी (Algae) - एक प्रकार का पौधा, जो कि मुख्यतः (काई) वर्षात के मौसम में पैदा होता है।

→ रोनाल रॉस → वैज्ञानिक जिन्होंने, मच्छर के पेट में झांककर देखा है। पहली बात

→ यह बताया कि मलेरिया मच्छर की वजह से होता है। इससे पूर्व लोग मलेरिया का कारण एक बुरी (प्रदूषित) हवा को मानते थे।

→ मलेरिया एक single celled parasite से होता है, जिसे - प्लास्मोडियम कहते हैं।

→ female anopheles mosquito - सफेद spots.

→ अनीमिया → Normal in delhi school. - [खून/पोषण की कमी से होने वाली बीमारी]

→ 17 Nov, 2007, दिल्ली के स्कूलों में बीमार हजारों बच्चों (M.C.D.)

→ शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। वृद्धि/बिक्का रुक जाता है / Energy low / ability

→ Health check ups हुए / बच्चों के Health cards बनने शुरू हुए

→ स्वास्थ्य की दवाइयाँ दी जाती हैं।

मलेरिया की दवाई

(सिन्कोना)

- पुराने समय में, शैवाल पेड़ की छाल/टहनी को पीसकर, एक दवाई बनायी जाती थी/है, for "malaria"
- टहनी को उबालकर उसका पानी पिलाया जाता था, जो अब दवाइयों के रूप में दिया जाता है।

* UP YOU GO →

एक नेता की विशेषताये (mountain climbing)

- दूसरों का Body उठाने में मदद करे
- group को आगे भेजकर, स्वयं last में जाए।
- जो नहीं चढ़ पाते, उनकी मदद करे।
- रुकने व आराम के लिए एक अच्छी जगह का चयन करे।
- जिन्हें दिक्कत है, उनका ध्यान दे।
- समूह हेतु खाने का पर्याप्त बंदोबस्त करे।
- अच्छा कले पट दूसरों को ड्रेडिट व कुछ गलत होने पर स्वयं की जिम्मेदारी ले।

→ विटामिन व आयरन हार्मोन, सर्जि में गर्म रखने में सहायक)

→ टैकला गाँव - 1600 mts. (सिलराप ह्वन) सिलवाल राजस्थान में।

→ climbing करते समय Body का कोण 90° का होना चाहिए तथा, Body सीधी होनी चाहिए।

→ बदेन्दी पाल → 1st indian woman, 5th in world.

→ Mount Everest - सागरमाथा - नेपाल में कहा जाता है

↑
2

↑

→ गाइड - ब्रिगेडियर खान सिंह

→ 1984 में - बहेद्वी पाल को मानव हस्त के लिए चुना गया।
[टीम - 18 सदस्य (न महिलाएँ).]

→ 7300 मीटर की ऊँचाई पर बर्फ के तुफान से साभना करने के बाद भी हार नहीं मानी।

→ 23 मई 1984 को दोपहर 1 बजकर 7 मिनट पर 8900 मी. की ऊँचाई पर पहुँची। (43 मिनट वही बहे)

* A shelter so high →

→ मुंबई से बसे अधिक जनसंख्या वाला शहर है, अतः का.

→ मुंबई से बल्लारगोडा तक 1000km है।
 (1000km) → दिल्ली से मुंबई तक → महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, U.P. —
 → दिल्ली से मुंबई तक 1000km है।

→ J & K. की roads बेसुचार हैं; due to mount ains.

→ J & K. की roads डबड़बावड़ ह, due to गह्वर का ढल।
→ लट-लझाख चट्टानों के लिए, J & K. से गुजरना पड़ता है।
→ लट-लझाख चट्टानों के लिए, J & K. से गुजरना पड़ता है।

→ लैंड-लैंडसाय चट्टानों के टुकड़े, जो पर्वतों के बीच में होते हैं, को लैंड का प्रयोग होता है।

→ पर्वतीय क्षेत्रों में नायलॉन रॉप का प्रयोग होता है।

→ पर्वतीय क्षेत्रों में नायलॉन रॉप का प्रयोग होता है।

→ पर्वतीय क्षेत्रों में नाथलॉन लैंड का प्रयोग

→ लघुदाय को ठंडा रेगिस्तान { BCL → Height पर }
Flat (plain) है

→ लघुदाय को ठंडा रेगिस्तान है

→ लक्ष्मण के घर, लक्ष्मी के, कलान हत वागे व बर्फ से ढके थे

→ मन्दाकिनी (H.P. में)

- मनाली (H.P. में)
- लद्दाख में बहुत कम बारिश / वर्ष से ठीक पहाड़ / ढुङ्गा / फ्लॉट / शुष्कता की कारण कोई भी पेड़ पौधा नहीं होते।

→ जूल - जूल → स्वागत - स्वागत

2 floors के Buildings.

- पत्थर के मकान, पत्थर एक के ऊपर एक।
 - गीले मिट्टी व नींबू (lime) की layer से थीचा बनती है।
- घर के 1st floor में भूता भरा होता है।
- सीढ़ियाँ - लकड़ी की।
- निचला मंजिला - जानवरों के लिए व imp. चीजों को रखने के लिए।
 - जब ठंड बढ़ जाती है तो स्क्वॉ भी नीचे ही रहते हैं।
 - ground floor में windows नहीं होती हैं।
 - मोटी छतों के तने का प्रयोग - दत बनाने हेतु।
 - लाल मिर्च, संतरी कद्दू, पीला भुझा, लहसुन में होते हैं।
- Summer season में - सब्जी व फलों को dry करके, winter के लिए रख दिया जाता है, जब ठंड के कारण उन्हें fresh fruits & सब्जी नहीं मिल पाते।
- लकड़ी की दत व मोटी दीवार ठंड से बचने में सहायक।
- यहाँ संकुचित रहते, पथरीले पहाड़ी सड़कें। और कहीं लकड़ी नहीं।
- चांगथांग → 5000 mtrs. - पथरीले मैदान हैं वहाँ।
- बंदुत ऊँचे जगहों पर सांस लेने में दिक्कत, सरदर्द, व कमजोर महसूस करते हैं। क्योंकि O_2 low।
- कोई petrol pump और मैकेनिक नहीं।
- चौगा - जनजाति (Gnabe) - पहाड़ियों पर रहते हैं। ये 5000 के आसपास हैं - जोन्ग।
 - अपने बकरियों व भेड़ों के साथ आनुप्रवास करते हैं।
- भेड़ बकरियों से ही → दूध, मांस, खाल, टेंट हेतु कपड़ा, ऊन, आदि मिल जाता है।
- हर पीढ़ी अपने जानवरों का एक विशेष चिन्ह लगाकर रखते हैं।

- जिस परिवार के पास अधिक भेड़-बकरी हैं, वह इतना अमीर होता है।
- इसी, विशेष बकरियों से ही उन्हें प्रथम श्रेणी शॉल हेतु अर्ज प्राप्त होती है।
- यह जनजातीय लोग, ऊँचे व ठीकी जगहों पर ले जाते हैं, जिससे इनकी अर्ज बहुत मुनाफ़ा (इन्फ़ा) व गर्बी देने वाली भी अधिक होती है।
- यह इन्हें बहुत ऊँचाई पर, कठिनाई में रखते हैं, क्योंकि जवेशी रह सकते हैं।
- जनजातीय लोग अपना सारा सामान, अपने घोड़ों व याकों पर ही लादे रखते हैं।
- इनके टैंक को → 'रेबो' कहते हैं।
- इनके याकों के बालों को बुकल ~~एक~~ शरीर में एक कवर type का बन जाता है, जो उन्हें protect करता है ठंड से।
- ठंड में - 0°C से नीचे तापमान व 70 km/h हवा चलती है।
- चंगपा की आषा में - चंगथांग का अर्थ → जहाँ बहुत कम लोग रहते हैं।
- श्रीनगर में अलग-2 तरह के घर, कुछ पहाड़ी पर कुछ, पानी में।
- कश्मीर में हर गली में बैकरी की shop मिल जाती है, क्योंकि ये लोग शेज रोहियों बगैरे नहीं बल्कि बैकरी से बरीदते हैं।
- अलग-2 तरह के आवास → ① पहाड़ों पर
 ② कुछ लकड़ी की डिजाइन व पत्थरों से बने पानी पर
 ③ कुछ गतिशील आवास होते हैं, जो move कर सकते हैं।
- जहाँ, चंगपा लोग अपनी भेड़ों को रखते हैं, → 'लेखा' (यह पत्थरों की झिल्लों से बनता है) ←
- भेड़ों को चराने ले जाने से पूर्व व बाद में घर की औरतों व लड़कियों द्वारा गिना जाता है।
- लद्दाख़ से श्रीनगर जाते हुए, बीच में कारगिल पड़ता है।

परचीना शॉल → दिखने में पतला ,

(*)

→ हमारे एक बाग की मोटाई - बकरी के 6 बाल बराबर ।

→ 6 स्टेटरो के बराबर , एक शॉल गर्मी देती है ।

→ इतने पतले बागों से मशीन में नहीं बुना जा सकता इसलिए वे श्वयं ही अपने हाथों से बुनते हैं , जिसे 250 घंटे लगते हैं ।

* श्रीनगर के घर :-

① - Houseboat → 80-90 feet long / 8-9 feet wide -

② - Donga → इस झील व झेलम में पाये जाते हैं ।
अपने से कमरे होते हैं ,

Houseboat , की लकड़ी पर सुंदर carving देखने को मिलती है , जिसे - स्वतंत्रता कहते हैं ।

Jigsaw Puzzle की तरह दिखता है

→ कश्मीर के गांवों में - पत्थरों के टुकड़ों से , एक के ऊपर एक रखकर , घर बनाते हैं , तथा गीली कीचड़ से लेपाई भी । लकड़ी का भी प्रयोग किया जाता है , साथ ही दूत हलान वाली ।

→ कुछ पुराने घरों में एक विशेष खिड़की होती है , जो दीवार से बाहर झांखा होता है , जिसे 'दब (dab)' कहते हैं । इसपर भी लकड़ी पर पैटर्न सुंदर होता है

→ पुराने घर , पत्थर , ईंट व लकड़ी से बने हैं , तथा दफ्ताजों व खिड़कियों पर सुंदर 'मैहराब' बने हैं

जब धरती कांपी →

→ 26th Jan 2001, भूकंप, कच्छ (गुजरात) । / अहमदाबाद, भु.

→ जब भूकंप आये तो क्या करें →

→ खुली जगह पर जायें

→ अगर नहीं जा सकते, तो, किसी मजबूत चीज के नीचे जायें,
मजबूती से पकड़ें

* उसी से ठंडा उसी ले गर्म - story written by Dr. Fakir Hussain

→ हमारे मुँह से आने वाली हवा गर्म या ठंडी हो सकती है,
यह निर्भर करता है कि बाहर का तापमान कितना है।

→ स्टैथोस्कोप → Heartbeats

→ गर्म हवा ↑ (हल्की), ठंडी हवा ↓ (भारी)

* कौन करेगा यह काम :-

→ सरकार का काम करने वालों के प्रति सुवेदनशीलता तथा उनके प्रति सहानुभूति ।

→ गांधीजी के मित्र - महादेवभाई के बेटे - नारायण

→ भीमराव अंबेडकर - महाराष्ट्र के गोरगांव से

→ भारतीय संविधान की निर्माण समिती के अध्यक्ष
(father of indian constitution) -

→ Source - India Untouched by Stalin. K.
(Documentary)

* क्रॉस की दीवार (Across the wall)

- नागपांडा व अफसाना गंगूरी बास्केटबॉल टीम → मुंबई में हैं।
- विक्टोरिया टर्मिनल स्टेशन - मुंबई (Railway stations) -
 - शोलापुर - मुंबई
- वाद-विवाद (Discussion) चर्चा के द्वारा लैंगिक भेदभाव जैसे सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। - लड़कों-लड़कियों के लिए समान खेल व समान मौके।
- चर्चा → Player को ability के आधार पर देखना, न कि class, caste या economic status के आधार पर।
- बच्चू खान playground है in mumbai, एक coach के नाम पर पड़ा → 'मुहम्मद खान'।

* बीज की कतली / बिनाग की कतली।

- बंगाल → गुजरात
- पुराने समय में बीजों को सुरक्षित रखने हेतु लौकी के कवच को मिट्टी से ढेपकर रख दिया जाता था
 - नीम की पत्ती, कीड़े से बीज को बचाते हैं।
- 'अंधीया' → एक सच्ची कहानी, पॉट को उल्टा लटकाना, कोयलों पर रखकर तैयार किया जाता है।
(गुजराती में - "उल्टा लटकाना")
- इसे - बाजरे की रोटी, मक्खन, दही व हल्दी के साथ खाया
- क्रोटेन → एक पौंछा, signal देता है, कि जमीन सूख गयी है।
(सी-चाई क्यूनी है)
- केंचुए - बिनाग की मित्र

* मिलके जंगल →

- "कुडुक" - आदिवासी लोगों की एक जमाती है, जो झारखण्ड में
- आज जंगल का ले रहे हैं → उनकी जगह, खनन, डैम बन रहे हैं।
- 'तोरांग' - का अर्थ 'जंगल' - कुडुक Lang. में।

→ Right to forest Act - 2007 - जो 25 साल से अधिक समय से किसी जंगल में हैं, वे वहीं रह सकते हैं, वह उनकी का है। उन्हें वहाँ से हटाया नहीं जा सकता।

- उनकी सुरक्षा का कार्यभार, वहाँ की ग्राम सभा का है

→ सूर्यमणी :- एक सच्ची घटना, एक (गैल स्टोरी), ordinary girls की extraordinary कहानियों को govt. द्वारा सुनाया जा सकता है।

→ एक दिन जमीन - एक दिन बी. जिल्ली जमीन पर लाया गया सी

→ सूअर खेती → Cycle में कसने उगाना। (मिजोरम)

→ मिजोरम की मुख्य फसल → चावल

→ फसल के पकने पर त्यौहार व 'डॉस' → 'चराओ'

→ मिजोरम में लॉटरी के तहत सांझा जमीन को, बारी बारी से लोगों को खेती के लिए दे जाती है

* किसकी सलाह? किसकी दाप? →

→ कुछ गुण हम वंशानुक्रम रूप से प्राप्त करते हैं, तथा कुछ कुछ कौशल अपने पर्यावरण से

→ पोलियो वंशानुगत बीमारी नहीं है। यह वायरसजनित है।

→ Dr. को कक्षा में बुलाया जा सकता है → 'Community Resource'

→ ग्रेगोर मेंडल - जन्म 1822 - ऑस्ट्रिया में (वंशानुक्रम का पता लगाया)
'सात सालों तक' 28000 पौधों पर experiment किए।

→ मटर के पौधों में कुछ गुण, उनके pairs, से होते हैं।
जैसे मटर का एक बीज या तो चिक्का / खुरदरा होगा।

→ पढ़ाई से Interested थे, तथा Exams, से डरते थे।

→ मठ में रहकर experiment किए।

* On the move again :-

→ गन्ने की कसल हेतु, अधिक पानी की आवश्यकता होती है।

→ सुरमपोली, (भीगी रोटी जो गूड़-चने से बनती है) यह, लीखी कदी के साथ खाया जाता है।

→ कैरावन, यह एक वाहन है, जिसमें लगी रहने की सुविधाएं होती हैं, शौचालय, रसोई, रहने का कमरा आदि।

→ चूहों की नजर कमजोर होती है अगर, सूंघने, टच व स्वाद की संवेदनशीलता अत्यधिक होती है।

→ नागपुर में, दाल में भीठा (थुगल) मिलाकर खाया जाता है।

→ मृत्यु करते समय, हाथ व चेहरे का प्रयोग - feeling company करने हेतु किया जाता है। इन्हें मुद्रा (हाथ) व भाव (चेहरे) कहा जाता है।

- उल्लू, अपनी गर्दन को, काफी हद तक पीछे धुका सकता है।
- एक पक्षी के पंख, उड़ने के साथ-२, उन्हें सही से बचाने में भी मदद करते हैं।
- साथ ही समय-२ पर उनके पंख गिरते रहते हैं, नये पंख उगते रहते हैं।

* ब्रैल लिपि → दृष्टिबाधितों के अध्ययन हेतु।

- एक Paper पर उभरे हुए points को touch करके पढ़ाते हैं।
- लुइस ब्रैल (फ्रांस), अपने पिता को काग के औजारों से खेलते वक़्त, आँखें चली गयीं।
- पढ़ने के शौक के चलते, 'Braille script' को तैयार किया।
- यह लिपि, 6 points पर आधारित होती है, तथा Computer का इस्तेमाल करके भी लिखा जा सकता है।

* शुरुआत में बड़े मिट्टी व पत्थरों से बनाये जाते थे।

- पत्थर के बड़े, खुदाई व Carving करके, हाथ से बनाते थे।
- कदवा (चाय) को बापाय व इलाची का इस्तेमाल करके, सींगल में बनायी जाती है, ठंड से बचने हेतु।
- स्ल इमल, सींगल में है।

- Tourists (यात्री) 'शिकारा' की राव को enjoy करते हैं, डेल सीढ़ी,
- चिड़िया इन कीड़ों को खा जाती हैं; जो फलों को खराब कर देते हैं;
- बज्जू गाँव → राजस्थान में है।
- मानचित्रों पर बने चिन्ह/प्रतीक बच्चों को उसे समझने में मदद करते हैं।
- बच्चों को; पानी बचाने की आवश्यकता को लेकर, उसके पुनः उपयोग पर चर्चा करना।

* हॉगबॉग :- साँपों को खाया जाता है।
→ famous shake - 'लिंग-हू-केन', ओज़न (साँप के कांस लें)

- कश्मीर - (शील की मदली) - संरलों के तेल से बनी।
- गोवा - (मछली की मदली) - कार्बोना के तेल से बनी।
- केरल - तेपिओका :- जमीन के नीचे डगता है, जिसे जलियल का use करके करी के साथ खाते हैं।

* To make a Tank OR a Tanker →

- टांका बनाने के लिए, जमीन पर गद्दा खोदकर, पक्का कर लेते हैं।
- एक छक्कण से ढक देते हैं।
- घर की छलान वाली इत से Pipe जोड़कर टांका तब पहुँचा दिया जाता है। Pipe के मुँह पर जाली लगाये ताकि, टंकी में कूड़ा न जाए।
- यह पानी, पीने हेतु भी, प्रयोग किया जा सकता है, जब इसे, साफ कर दिया गया हो।

PEDAGOGY OF EVS.

1

- बच्चों को वर्गीकरण सिखाने के लिए, चीजों को categorise करना सिखाना आवश्यक है।
- बच्चों को अपने पर्यावरण/आसपास से सूचनायें एकत्र करने के लिए प्रेरित करना।
- बच्चों को प्रकृति को अवलोकित करने का अवसर - सक्रिय भागीदारी।
- कक्षागत कार्यों को बाहरी संसाधन से जोड़ना आवश्यक है।
- बच्चों को समूह में कार्य करने हेतु प्रेरित करें। यह उन्हें विविधता सीखने में मदद करेगा। (Peer learning) -
- कहानियाँ सुनाने के लिए उन्हें प्रेरित करना।
- बच्चों की रचनात्मकता को निखारने के लिए, कला व शिल्प जैसे क्रियाकलापों को बढ़ावा देना।
- उन्हें कुछ कार्य भी दिया जा सकता है, जैसे कुछ Drawing करने या अवलोकन करने हेतु।
- बच्चों को स्वयं को अवलोकित करने का मौका दिया जाए, या पौधों, जानवरों को वर्गीकृत करने का मौका दिया जाए।
- उन्हें कहानी/कविता सुनाने हेतु कहा जा सकता है, परंतु याद करने/रट्टा लगाने हेतु नहीं कहा जाना चाहिए।
- सांक्रियात्मक संसाधन - जैसे डॉक्टर, किसान, सफाईकर्मी, Grandparents को विद्यालय में बुलाकर Real life Example के द्वारा चीजों को बताया जा सकता है।
- बच्चों को पौधों के प्रति या पर्यावरण के प्रति संवेदना देने के लिए, पेड़ों को मित्र बनाने व उन्हें स्वयं जल/खाद देने व रखा करने हेतु प्रेरित किया जा सकता है।

- शिक्षक बच्चों को उनकी मातृभाषा संबंधी, जल, पौधे व अन्य चीजों पर गाये जाने वाले गाने आदि गाने हेतु प्रेरित करें।
- सामाजिक भेदभाव (जाति, लिंग) के प्रति बच्चों को उनके स्तर पर संवेदनशील बनाया जाना आवश्यक।
- बच्चों को अवलोकन करने व प्रश्न करने के लिए मौके दें।
- कुछ चीजों को स्पष्ट करने हेतु, बातचीत / Discussions किया जा सकता है।
- बच्चों के क्षेत्रीय रूप से उपलब्ध संसाधनों व सामग्रियों को उपयोग करने हेतु प्रेरित करें।
- इस तरह के तरीके / situations/games, को choose करें जिससे वे स्वयं को संबद्ध कर पायें जैसे - खेल आदि।
- (Individual difference) - सभी की अलग-2 व्यक्तिगत विभिन्नतायें।
- चीजों को बच्चों के स्वयं के अनुभवों से जोड़ा जाए ताकि वे अधिक संवेदनशील हो सकें।
- उन्हें स्वयं को express करने हेतु मौके दिए जाएं।
- बच्चों की रचनात्मकता हेतु भरपूर मौके जैसे - Rangamti, finger paintings, art & craft दिए जाएं।
- बच्चों को पक्षियों / जीवों / पौधों की विशेषतायें बता हों, चाहे उन्हें नाम याद न भी हों।
- किसी भी चीज को good/bad के बीच वाद-विवाद के लिए, discussion कराया जा सकता है।
- ईंधन के प्रभाव, जल, पर्यावरण, आदि पर समाचारपत्रों की Reports के माध्यम से, बातचीत (Discussion) कराया जा सकता है।

→ कक्षा की वातावरण Conversations में बच्चों के अनुभवों को शामिल किया जाना चाहिए।

→ उन्हें Real life examples दें।

→ एक कहानी को पढ़ने का बेहतर तरीका - Role play हो सकता है।
(जेकब मॉरेन)
इससे Creativity भी आयेगी।

→ उन्हें ऐसी activities के मौके दें, जिन्हें वे, स्वयं करके सीख जायें।

→ उन्हें एक दूसरे को मदद करने / सहयोग करने के अवसर दें।

→ लिंग भेद, तकनीक, Business related gender issue, तथा
महो के प्रति संवेदन हेतु - वातावरण Discussions।

→ पक्षियों को अवलोकन करने हेतु, नज़दीक से देख पायें। इसके
लिए बच्चों के साथ, Bird bath बनाने में help कर सकें।

→ पानी संरक्षित करने के local विधियों के experience बच्चों से
कक्षा में साझा करने को कहें।

→ पर्यावरण में सभी चीज़ें - interdependent हैं।

→ बच्चों को प्रोत्साहित करें कि बच्चे एक map के अंग्रेज़,
States, दिशा, Boundaries, दूरी, को समझें व
locate कर पायें।

→ बच्चों से जीवों के विषय में अपने Parents से जानने को कहें।
और इस बात को जानने हेतु भी कि कुछ जीवों की
संख्या कैसे लगातार कम हो रही है।

→ वाद-विवाद, बच्चों को एक विषय को कई तरह से
देखने हेतु प्रेरित करता है।

→ रेलवे टाइम टेबल → को कैसे Read किया जा सकता है 24 hrs
- इसका प्रयोग कई क्रियाकलाप के द्वारा भूगोल व जाति पढ़ाने
की integrated approach का use किया जा सकता है।
format.

→ खेलों से सीख - जीवन हेतु नियंत्रण बनाना

- सहयोग
- पकड़ नहीं
- सहानुभूति
- अनुशासन

→ फूलों का अवलोकन - वर्गीकरण, जागरूकता, आदि।

- प्रकार के पंखुड़ी
- रंग
- उनकी शक्ति
- क्यूरी झुल में या नहीं।

→ Visit या सा. संसाधन - के द्वारा Construction site पर रह रहे लोगों के विषय में जानकारी प्राप्त करें।

→ पर्यावरण, परिवार संरचना, तापमान, स्थानों, गांवों, तकनीक में परिवर्तन पर बातचीत।

→ गिनकर खाने की आदत है। Event organise, (Comm. lunch) for Respect, diversity, विविधता आदि करें।

→ कई मुद्दों के लिये - Drinking, धूम में सगड़े, पर बच्चों को उनके हल बताने को कहें या डसपर chart, या Poster भी बनाये जा सकते हैं।

→ Classroom में, हर तरह की diversity को - "Resource माना जा सकता है"।
(like - भाषा, खाना, रंग, लिंग, जाति, धर्म आदि)

→ कक्षा में प्रदर्शन करने व वर्गीकरण हेतु Tables का उपयोग करें।

→ अपने बड़ों से पुराने समय के विषय में कहें, ताकि 'इतिहास' के प्रति ज्ञान/समझ बढ़ता है।

(3)
→ इतिहास के विभिन्न स्रोतों के विषय में बातचीत करें - जैसे - maps, चित्र, अवशेष, किलावे, रिकॉर्ड्स, आदि।

→ गेड़ों पर होने वाली वाहनों की भीड़ को किस प्रकार कम किया जा सकता है, इसपर बच्चों से लगावाव है व बातचीत हो। - लगावा पर Reports भी देखें।

→ 'Percentage' जैसे शब्दों को प्रयोग करने हेतु बच्चों को प्रोत्साहित किया जाए ताकि marks, खेत जीतने की chance कितना है?, Discount, sale आदि को समझने हेतु।

→ Temperature, को Daily newspapers से बताया जा सकता है।

→ Earthquake, के लिए चर्चा / बातचीत किया जा सकता है इसके प्रभाव व बचाव प्रदर्शन के द्वारा।

→ हुआइत / किंग अफ जैसे मुद्दे को, संवेदनशील बनाने हेतु, चर्चा / वाद विवाद / newspaper / recent event के द्वारा / अनुभवों आदि के द्वारा किया जा सकता है।

→ अनुभव - games for girls & boys
share करना - Team work -

→ Debate - यानी हर बात के दोनों ही aspects पर चर्चा हो ताकि, सक्रिय आधिपत्य हो सके।

- उनों के प्रति संवेदनशीलता हेतु, चर्चा व कल्पना ।
- बच्चों की समस्या सुनते हुए, शिक्षक संवेदनशील होना चाहिए ।
- प्रवास वाले परिवार, के बच्चों के लिए, विशेष व्यवस्था, विद्यालय द्वारा की जानी आवश्यक, ताकि वे लगातार स्कूल में जुड़े रहें व ग्रुपस न हों ।

* 6 थीम → ① परिवार व मित्र ④ → आवास

② → भोजन

⑤ → यात्रा

③ → जल

⑥ → चीजें जो हम बनाते हैं व करते हैं

{ उप-थीम }

① - परिवार व मित्र →

- संबंध
- कार्य व खेल
- जानवर
- पेड़-पौधे

② - भोजन

- Tasting (चखना)
- Digesting (पचाना)
- पकाना
- संरक्षण तकनीक
- किसान व भूख

Role of the book :-

→ NCERT, द्वारा निर्धारित EVS की 'Themes' को एक गहरी व अंतर्संबंधित समझ के आधार पर बनाया गया है।
→ प्रत्येक थीम कुछ key questions से शुरू होते हैं।

→ NCERT, कितानों में लिंग, वर्ग, संस्कृति, धर्म, भाषा, भौगोलिक स्थिति के आधार पर विविधता से निपटने की जरूरत बतायी है।

→ EVS books से संबंधित आंकलन, सतत आधारित हो, तथा बच्चों का आंकलन उसके अवलोकन, चर्चा, प्रश्न तथा सामूहिक कार्य के आधार पर हो।

NCF की शीकारियों (EVS के लिए) →

- बच्चे का विद्यालयी जीवन, उसके विद्यालय के बाहरी जीवन से संबंधित होना चाहिए।
- यह बच्चे के विद्यालय, घर व समुदाय के बीच की दूरी को कम करेगा।
- यह श्रुति व कितनी ज्ञान को जोड़कर करता है। कितने भी इसी तरह से बनाई गयी हैं।
- इन कितनों का लक्ष्य, द्वार केन्द्रित शिक्षा व्यवस्था (NPE-1986) को प्राप्त करने में मदद करते हैं।
(Integrated learning).
- बच्चा अपने वातावरण (पर्यावरण) को संपूर्णता में देखता है। इसीलिए, 3rd से 5th में सभी प्रत्येक विज्ञान, सामाजिक विज्ञान व पर्यावरण शिक्षा के रूप में, एकीकृत किया गया है।
- EVS विषय को 1st व 2nd कक्षा में कितनी रूप में न रखकर, उन्हें भाषा व गणित के साथ ही समाहित किया गया है।
- EVS पुस्तकों में परिभाषाओं व सूचनाओं को जगह नहीं दी गयी है। यहाँ तक कि पुस्तक की भाषा भी औपचारिक नहीं है।
- EVS की केवल पुस्तक ही, ज्ञान का एकमात्र साधन नहीं है, परंतु यह बच्चों को नया ज्ञान निर्माण के लिए प्रेरित करता है।

Lesser the burden → burden कम करने हेतु क्या?

→ Daily time-table, में लचीलेपन की जरूरत है, ताकि Teaching में बेहतर हो सके।

→ अध्यापन व आकलन के लिए प्रयोग किए गये तरीके (विधियाँ) भी प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक की प्रभावशीलता को प्रभावित करते हैं।

(अतः Time table flexibility, Teaching & assessment methods affects the learning outcomes, not only books).

→ बच्चों हेतु अधिक विचारशीलता, उत्सुकता, व चर्चा हेतु छोटे समूह बनाने व प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने की प्रयासिता व स्थान दिया जाना चाहिए।

→ पाठ्यपुस्तक, मात्र केंद्रित हों, ताकि बच्चों को स्व-अध्ययन, के लिए स्वतंत्रता मिल सके व अभिव्यक्ति कर सकें और रूढ़ि व शर्त करने हेतु मजबूर न हों।

* विद्यालय की भूमिका :- encourage कर दें

→ विद्यालय Head यह efforts करे ताकि बच्चों, स्वयं की अभिव्यक्ति को reflect कर सकें, और कल्पनाशीलता के क्रियाकलाप व प्रश्न पूछ सकें।

→ बच्चे अपने बड़ों, के साथ जुड़कर बच्चे, स्वयं से अपना ज्ञान निर्माण कर सकें।

→ यदि हम बालकों को, अधिगम प्रक्रिया में सहभागी बनायें तो, तो वे रचनात्मक व पहल करने हेतु आगे बढ़ सकते हैं। न कि केवल उन्हें, ज्ञान का एक स्थिर ग्रहणनीति मानें।
(भूक अधिगमनीति)

→ परीक्षा हेतु, केवल पाठ्यपुस्तक को ही बच्चों हेतु Profound नहीं करना चाहिए। बल्कि अधिगम के अन्य साधनों व संसाधनों का भरपूर प्रयोग हो। उन्हें दशकितार न किया जाए।

NCF-2005 - Introduction

(2)

→ NCERT की कार्यकारिणी ने 14 व 19 जुलाई, 2004 की बैठकों में NCF को संशोधित करने का निर्णय लिया।
(तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा निर्णय) -

क्या है - 2005-(NCF) -

- यह विद्यालयी शिक्षा का अबतक का सबसे नवीनतम राष्ट्रीय दस्तावेज है।
- इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, विषय विशेषज्ञों व अध्येत्यों ने मिलकर तैयार किया है।
- HRD मंत्रालय की पहल पर, प्रो० यशपाल की अध्यक्षता में देश के चुने हुए 23 विद्वानों ने शिक्षा को नयी राष्ट्रीय चुनौती के रूप में देखा।

* NCF - पाठ्यपुस्तक निर्माण के सिद्धांत (मार्गदर्शिकात्मक)

- 1 → ज्ञान को स्कूल के बाहरी जीवन से जोड़ा जाए।
- 2 → पढ़ाई को खेल प्रणाली से मुक्त किया जाए।
- 3 → पाठ्यपुस्तक, पाठ्यपुस्तक केन्द्रित न रहे जाए।
- 4 → अध्यापकों की गतिविधियों से जोड़ा जाए।
- 5 → राष्ट्रीय मूल्यों के प्राप्ति आस्थावान विद्यार्थी तैयार हों।
(राष्ट्रीय महत्व के बिंदुओं को पाठ्यक्रम में शामिल)।

- ① - शिक्षण सूत्रों का अधिकतम प्रयोग हो - ज्ञात से अज्ञात, पूर्व से अमूर्त आदि ।
- ② - सूचना को ग्राह्य मानने से बचा जाए ।
- ③ - विशाल पाठ्यक्रम व मोटी किताबें शिक्षा प्रणाली की असफलता का प्रतीक हैं ।
- ④ - मूल्यों को उपदेश देकर नहीं वातावरण देकर स्थापित करें ।
- ⑤ - अच्छे विद्यार्थी की धारणा में बदलाव आवश्यक है, अर्थात्, अच्छा विद्यार्थी वह है, जो तर्कपूर्ण बहस के द्वारा अपने मौलिक विचारों को शिक्षक के लाभने प्रस्तुत करे ।
- ⑥ - अभिभावकों को सख्त संदेश दिया जाए कि बच्चों को ही सी उम्र में निपुण बनाने की आकांक्षा गलत है ।
- ⑦ - बच्चों को स्कूल से बाहरी जीवन में तनावमुक्त वातावरण प्रदान करना ।
- ⑧ - "कक्षा में शांति" का नियम बार-बार ठीक नहीं अर्थात्, जीवंत कक्षागत वातावरण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ।
- ⑨ - सहशैक्षिक गतिविधियों में बच्चों के अभिभावकों को भी जोड़ा जाए ।
- ⑩ - संयुक्त को मानवीय संलाघन रूप में प्रयुक्त होने का अवसर दें ।
- ⑪ - खेल, आनंद व सामाजिकता की भावना के लिए, रिकॉर्ड बनाने व तोड़ने की भावना को प्रश्रय न दें ।
- ⑫ - बच्चों की अभिव्यक्ति में मातृभाषा महत्वपूर्ण स्थान रखती है । अधिगम परिस्थितियों में इसका प्रयोग करें ।
- ⑬ - पुस्तकालय में बच्चों को स्वयं पुस्तक चुनने का अवसर दें ।

- 14 - वे पाठ्यपुस्तकों महत्वपूर्ण होती हैं जो अंतःक्रिया का अवसर दें।
- 15 - कव्यना व मौलिक लेखन के आधिकाधिक अवसर प्रदान किए जाएँ।
- 16 - सजा व पुरस्कार की भावना को सीमित रूप में प्रयोग किया जाना चाहिए।
- 17 - बच्चों के अनुभव व स्वर को प्राथमिकता देते हुए, बालकेन्द्रित शिक्षा प्रदान की जाए।
- 18 - सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मनोरंजन के स्थान पर सौंदर्यबोध को प्रशय दें।
- 19 - शिक्षण प्रशिक्षण व विद्यार्थियों के मूल्यांकन को सतत प्रक्रिया के रूप में अपनाया जाए।
- 20 - शिक्षकों को अकादमिक संलाधन व नवाचार आदि समय पर पहुँचाये जायें।

* शिक्षा के लक्ष्य - (NCF-2005 के अनुसार)

- 1 - स्कूल के जीवन को बाह्य (घर, पड़ोस) से जोड़ना।
- 2 - आत्म ज्ञान (स्वयं को जानने की एक निरंतर प्रक्रिया बने)
- 3 - मूल्य शिक्षा क्षमता न होना, शिक्षा में ही हो।
- 4 - सांस्कृतिक विविधता का सम्मान करें
- 5 - वैयक्तिक अंतर को स्वीकार करना
- 6 - राष्ट्रीयता व देश पर गर्वि करना
- 7 - कक्षा में अन्धता जाहील व उलझे बच्चों की आजीवनी
- 8 - शिक्षा को शिक्षा प्रक्रिया को गरीबी, संपदाय, जाति, लिंग से मुक्त करना
- 9 - साहित्य का कलात्मक रचनात्मकता को बढ़ावा।

* मुख्य उद्देश्य -:

- पाठ्यक्रम के बोझ को कम करना।
- शिक्षा में व्याप्त विसंगतियों को कम करना
- ऐसे पाठ्यक्रम का विकास जिसमें ज्ञान का व्यवस्थित रूप विकसित हो।
- विचारों की स्वतंत्रता
- सभी बालकों को सशक्त बनाना
- रचनात्मकता ~~का~~ का विकास

NCF - Curriculum AREAS

Traditional

maths
language
science
social science

Others.

- Art Edu.
- Health & Phys. Edu.
- Edu. for peace
- Habitat & learning

- language → Three lang. formula - imp. of Home lang
→ multilingualism as a resource
→ "Eng. as sub." and "Eng. As medium"
- science - Relation to environment & awareness
- social science - social issues, interdisciplinary approach, Civic society, politics, Corruption of past.
- mathematics - mathematization / तार्किक सोच, अद्वैत निर्माण व संचालन योग्यता बढ़ पाये।

NCF- systemic Reform → ① Concern for quality ③

② → Teacher Edu. for curriculum Renewal

⑤- Exam Refom → Content based teaching
↓ shift

problem solving & understanding

→ School should evolve, Continuous evaluation.
for diagnosis & Remedial

→ No board or state level exams at - 5, 8 & 11th

NCF-2005 - Questions

4

- ① - Teacher as a - facilitator (सुविधा प्रदाता)
- ② - Aim of teaching English - Multilingualism (बहुभाषिकता)
- ③ - MLL - Minimum level of Learning.
- ④ - children don't fail, whole system fails - NCF-2005
- ⑤ - Educational Tech. - can be a - supplement (पूरक)
- ⑥ - NCF suggested 25% to 40% que. should be → short ans. type.
- ⑦ - chairman of National steering committee → Prof. Yashpal
- ⑧ - Home work time for XIth & XIIth → 2 घंटे
- ⑨ - Stress related problems of stud. can be removed by → Guidance & Counselling.
- ⑩ - National system of Edu. को अपट लेकर जाएगा - NCF, किसने कहा → NPE-1986.
- ⑪ - Board Exams of 10th Standard should be → optional
- ⑫ - Evaluation system should be based on - Grades
- ⑬ - Board को Exams को reconduct करने चाहिए - Immediately.
- ⑭ - Craft को किसके द्वारा सिखाया जाए - Project द्वारा,
- ⑮ - Common phy. discomfort for child → स्कूल का लंबा रास्ता
→ भारी बैग
→ Punishment.
- ⑯ → Main Goal of maths → बच्चों के अस्तित्व के पितृत्व को
वर्किलाना माना / mathematise करना
- ⑰ - Examination → Hurdle Race.
बाधा दौड़

⑫ → NCF-2005 का प्रमुख सूत्र → learning without Burden
(बिना भार के अधिगम)

⑬ - NCF-2005 का प्रारंभ संविधान के दंडों के किस
बिंबंध से होती है? → सम्यक् और प्रगति

⑭ - सुविधाप्रदाता कौन → Teacher. (उत्प्रेरक)
(facilitator, guide and friend)

⑮ - पाठ्यपुस्तक के साथ अन्य संदर्भ _____ को जोड़कर पुस्तक
के गहन वन सकता है → अनुभव।

⑯ - बच्चों के आकलन का सही तरीका है - दैनिक गतिविधि

⑰ - पर्यावरण की चिंता के प्रति जागरूकता को संस्कृति स्थली
प्रारंभ में व्यापक होना चाहिए।

⑱ - यदि बच्चे फेल होते हैं तो → System fail होता है।

⑲ - शिक्षा का अधिकार है - एक संवैधानिक अधिकार
- शिक्षा मिलने अंतर्गत आती है - सार्वजनिक स्वी

⑳ - - NCF तैयार करता है - 'NCERT'
- NCFTE तैयार करता है - 'NCFTE'